

उक्त भाषा के भीतर नहीं रहना चाहते, तो वह बोली स्वयम् में भाषा कहलाने लगती है 2. नीलामी में ऊँचे स्वर से बोले जाने वाले दाम, जैसे- 'इस भवन की बोली लगने वाली है' 3. बोली बोलना-व्यंग्य करना।

बोलीविज्ञान पुं. (तद्.) बोली की व्याख्या करने वाला ज्ञान, भाषाविज्ञान की एक शाखा।

बोल्ट पुं. (अं.) काबला, एक प्रकार का पेंच, जो नट में कसा जाता है, नट-बोल्ट का प्रयोग इकट्ठे किया जाता है जैसे- 'नट-बोल्ट कसना' पक्की तरह से जोड़ना। bolt

बोलशेविक पुं. (अं.) यू.एस.एस.आर. के समय में सोवियत रूस के समाज संबंधी कार्यक्रम को तत्काल लागू करने का समर्थन करने वाला, गरम दल का सदस्य, इसी वर्ग ने 1917 ई. में सोवियत रूस पर अपना शासन संभाला था। bolshevik

बोसा पुं. (फा.) चुंबन, चूमने का कार्य, प्यार-दुलार में बच्चे के लिए, संयोग शृंगार में प्रेमी अथवा प्रेमिका-प्रेमिका अथवा प्रेमी के लिए, आशीर्वाद स्वरूप ज्येष्ठों का कनिष्ठों के लिए।

बोसॉन पुं. (अं.) वैज्ञानिक सत्येन्द्र नाथ बोस और अल्बर्ट आइन्सटाइन द्वारा अन्वेषित, क्वांटम सांख्यिकी का कण, ब्रह्मकण (गॉड पार्टिकल) का आधार boson

बोहनी स्त्री. (देश.) बिकाऊ माल की पहली बिक्री, विक्रय का श्रीगणेश, शगुनकेतौर पर सौभाग्यशाली व्यक्ति से बोहनी करवाई जाती है।

बोहरा पुं. (फा.) गुजरात और महाराष्ट्र में रहने वाले मुसलमानों का एक वर्ग, ये प्रायः व्यापार करते हैं, दिल्ली में स्थित लोटस टैम्पल इसी सम्प्रदाय को समर्पित है।

बौंड स्त्री. (देश.) 1. दूर तक फैली हुई टहनी 2. लता।

बौखलाना अ.क्रि. (देश.) 1. क्रोध में असंयत भाषा बोलना 2. तर्कहीन वार्तालाप 3. मानसिक रूप से असंतुलित व्यक्ति का प्रलाप।

बौछार स्त्री. (देश.) 1. वर्षा की झड़ी 2. जल की फुहार 3. किसी भी वस्तु की सघन वृष्टि जैसे- गोलियों की बौछार।

बौड़म वि. (देश.) मूर्ख, सनकी, अनर्गल वार्तालाप करने वाला।

बौद्ध पुं. (तत्.) 1. गौतम बुद्ध का अनुयायी, बुद्ध धर्म को मानने वाला 2. बुद्धि से संबंधित।

बौद्ध-धर्म पुं. (तत्.) भगवान बुद्ध द्वारा चलाया गया धर्म, यह धर्म भिक्षुओं द्वारा पूर्व में दूर दूर तक फैलाया गया।

बौद्धिक वि. (तद्.) बुद्धि से संबंधित वैचारिक भावनात्मक नहीं, उदा. साहित्य द्वारा बौद्धिक एवं भावनात्मक जागृति संभव है।

बौना पुं. (देश.) नाटा, वामन, सामान्य कद से बहुत छोटे कद का व्यक्ति, ठिंगना, ऐसे व्यक्ति का कद आयु के साथ साथ विकसित नहीं होता।

बौर पुं. (देश.) आम के वृक्ष की मंजरी, मौर।

बौरना अ.क्रि. (देश.) आम के वृक्ष में मंजरी निकलना, मौरना।

बौरी स्त्री. (देश.) 1. पागल महिला, बावली 2. बहुत सीधी, भोली-भाली 3. सनकी।

ब्याज पुं. (देश.) सूद, ऋण पर लिए हुए धन पर दिया जाने वाला अतिरिक्त पैसा, ऋण पर जो धन लिया जाता है, वह मूलधन कहलाता है, उस पर दिया जाने वाला अतिरिक्त धन, ब्याज अथवा सूद कहलाता है, ब्याज की गणना काल अथवा समय के आधार पर की जाती है जैसे- 'वार्षिक 10 प्रतिशत' अर्थात् एक वर्ष के पश्चात 100 रुपये के बदले 110 रुपये लिए जाएँगे।

ब्याना स.क्रि. (देश.) जनना, संतान को जन्म देना, प्रसवित होना टि. इस शब्द का प्रयोग, प्रायः नारी या मादा पशुओं के लिए किया जाता है।

ब्यारी स्त्री. (देश.) संध्या समय का रात के समय किया जाने वाला भोजन, डिनर, ब्यालू।